10 लाख करोड़ के निवेश को धरातल पर उतारने की तैयारी

- पश्चिमांचल में सर्वाधिक 52 प्रतिशत होगा निवेश
- 33.5 लाख युवाओं को मिलेगा रोजगार का अवसर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : उत्तर प्रदेश में 10 लाख करोड़ रुपये की निवेश परियोजनाओं को धरातल पर उतारने की तैयारी अंतिम चरण में है। 19 फरवरी को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित की जा रही ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) के माध्यम से इन परियोजनाओं का शुभारंभ किया जाएगा। सर्वाधिक 52 प्रतिशत निवेश प्रदेश के पश्चिमांचल क्षेत्र में होगा। इसके अलावा पूर्वांचल में 29, मध्यांचल में 14 और बुंदेलखंड में पांच प्रतिशत निवेश परियोजनाओं को धरातल पर उतारा जाएगा। इन परियोजनाओं में 33.50 लाख युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में जीबीसी-चार का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया जाएगा। सबसे ज्यादा 19.24 प्रतिशत निवेश रियल एस्टेट के क्षेत्र में आ रहा है। वहीं 15 प्रतिशत निवेश रिन्यूएबल एनर्जी में, 13 प्रतिशत मैन्युफैक्चरिंग में, 10 प्रतिशत आइटी एवं आइटी आधारित सेवाओं में, 7.83 प्रतिशत लाजिस्टिक्स एवं वेयरहाउसिंग में, 7.5 प्रतिशत ऊर्जा में, 6.01 प्रतिशत फूड प्रोसेसिंग में, 5.27 प्रतिशत इलेक्ट्रानिक्स मैन्युफैक्चरिंग में व शिक्षा के क्षेत्र में 2.96 प्रतिशत निवेश आएगा।

इन बड़ी परियोजनाओं की होगी शुरुआत

- एनआइडीपी (हीरानंदानी ग्रुप), सिफी टेक्नोलाजीज, वीएएलऐस डेवलपर्स प्रा. लि., एसटीटी ग्लोबल, जैक्सन लि. डेटा सेंटर स्थापित करेंगे।
- अशोक लीलैंड तथा यामाहा आटोमोबाइल और ईवी परियोजनाएं स्थापित करेंगे।
- एनटीपीसी, ग्रीनको ग्रुप, टोरेंट पावर, एसीएमई ग्रुप, जेएसडब्ल्यू एनर्जी पीएसपी सिक्स और टस्को थर्मल, हाइड्रो पावर और सोलर प्रोजेक्ट स्थापित करेंगे।
- एमथ्रीएम इंडिया, आइएनजीकेए, द हाउस आफ अभिनंदन लोढ़ा और गोदरेज प्रापर्टीज प्रदेश में आवासीय और रिटेल संपत्तियों का निर्माण करेंगे।
- टाटा टेक्नोलाजी 150 सरकारी आइटीआइ को अपग्रेड करेगी।
- टार्क सेमीकंडक्टर्स, डिक्सन टेक्नोलाजीज, हायर, एडवर्ब टेक्नोलाजीज और कैंट आरओ सिस्टम्स इलेक्ट्रानिक्स उत्पादों का निर्माण करेंगे।
- उर्वशी इन्फ्राटेक और एमएक्यू इंडिया आइटी में निवेश करेंगे और आइटी पार्क स्थापित करेंगे।
- अडानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलाजीज, एकोर रिसर्च लैब्स, भारत डायनेमिक्स, एरोलाय टेक्नोलाजीज और डीआरडीओ ब्रह्मोस एयरोस्पेस डिफेंस एवं शस्त्र निर्माण में निवेश करेंगे।